Tuesday

Vijay kumar Jha.
Asso Prof
Department In History
V.S.J College Rajnagar

Degree part III
Paper – V

Architecture in the age of Shahzanha.

शाहजहाँ का शासन काल में मुगल वास्तुकला परमोत्कर्ष पर पहुँच गया था। पर्सी ब्राउन के अनुसार शाहजहाँ का शासन काल मुगलो के प्रख्यात का स्वर्ण युग था। यह वह युग था जिसमें सद्गुरु स्थापत्य कला की शैली का प्रादुर्भाव हुआ। निःसन्देह शाहजहाँ का शासन काल सबसे अधिक वैभवपूर्ण था।

निःसन्देह शाहजहाँ का शासन काल वास्तुकला के क्षेत्र में मुगल वंश का स्वर्ण युग था उसके काल कि प्रमुख इमारतें निम्न है।

(1) आगरा के किले मे बनी इमारतें – दिवाने आम :– दिवाने आम को शाहजहाँ ने 1628 ई० में बनवाया था जो तीन तरफ से खुला था और 201 फीट लम्बा 64 फीट चौड़ा और 40 खम्भों पर टिका था। यह सफेद संगमरमर की बनी थी। सम्राट के बैठने कि जगह को जड़ाऊ काम के द्वारा सजाया गया था।

दिवाने खास – यमुना कि ओर ऊँची उठी हुई छत पर दिवाने खास बना था। इसमे दो बड़े हाल है जो संगमरमर से बने है। यहाँ पर सम्राट का विशेष दरबार लगता था और सम्राट से मिलने सिर्फ विशेष व्यक्ति ही आते थे।

मच्छी भवन :– दिवाने आम के पीछे मच्छी भवन बने थे इसमें एक विशाल आँगन जिसका आकार 60x55 गज था इस भवन में एक जलाशय थी जिसमें मछलियां रखी जाती थी। इस तालाब में राजपरिवार के लोग मत्स्य क्रीड़ा करते थे अतः इसका नाम मच्छी भवन पड़ा।

शीश महल :– दिवाने खास के समीप ही शीश महल था जिसमें विभिन्न आकर्षक रंगो के शीशे लगे थे

MAY

Su	Mo	Tu	We	Th	Fr	Sa
			1	2	3	4
5	6	7	8	9	10	11
12	13	14	15	16	17	18
19	20	21	22	23	24	25
26	27	28	29	30	31	

Scanned with Can

इस भवन में दो जलाशय थी।

खास महल :— दिवाने खास के समीप ही खास महल था इस महल में शाहजहाँ और रानी रहते थे। इस महल का निर्माण लाल पत्थर से किया गया था। इसमें विशाल शयनकक्ष जिसमें सुन्दर चित्रकारी कि गई थी।

नगीना मस्जिद :→ नगीना मस्जिद का निर्माण हरम कि स्त्रियों के लिये किया गया था। यह एक छोटी सी मस्जिद अत्यन्त सुन्दर

मोती मस्जिद :— मोती मस्जिद का निर्माण आगरा के किले में किया गया था। यह अत्यन्त सुन्दर इमारत है तथा मुगलकाल कि यह उत्कृष्ट नमूना है। मोती मस्जिद का निर्माण शाहजहाँ 1654 ई० में करवाया था। इसमें एक विशाल प्रांगन है जिसके चारों ओर संगमरमर का दरवाजा है और मध्य में एक फौव्वारा है। यह मस्जिद 237 फीट लम्बा 187 फीट चौड़ा है,

झरोखा दर्शन और मुसम्मन बुर्ज :— खास महल के पास ही झरोखा दर्शन है जो सफेद संगमरमर का बना है जिसकी छत चमकदार है। यहाँ से सम्राट प्रजा को झरोखा दर्शन देते थे। मुसम्मन बुर्ज का निर्माण भी शाहजहाँ ने करवाया था। जो 6 मंजिली इमारत है। यह संगमरमर कि बनी है।

अंगूरीबाग :— अंगूरी बाग खास महल के सामने था यह 235 फीट लम्बा और 170 फीट चौड़ा है जिसमें अनेक फव्वारे तथा रंगीन रोशनदानो से सजा हुआ था

जामा मस्जिद :— जामा मस्जिद का निर्माण शाहजहाँ ने 1648 ई० में आगरा के किले के पश्चिमी भाग में किया था। इस मस्जिद के निर्माण में शाहजहाँ के पुत्री जहाँनारा कि प्रमुख भूमिका थी। इसकी लम्बाई 130 फीट तथा चौड़ाई 170 फीट था कई फव्वारे थे जिसमें कई रंगों के जल निकलते थे। यह आगरा में था।

दिल्ली कि लाल किला :— लाल किले का निर्माण शाहजहाँ ने करवाया था जो दिल्ली में था 1628 ई० में शाहजहाँ ने यमुना नदी के तट पर शाहजहाँनाबाद नगर बसाया तथा वही पर इस किला का निर्माण करवाया यह किला 3100 फीट लम्बा तथा 1650 फीट चौड़ा था

Scanned with Can

दीवाने खास यह अत्यन्त खूबसूरत तथा कलात्मक है। दिल्ली लाल किले के अन्दर था।

रंगमहल :- शाहजहाँ के अन्तःपुर को रंगमहल कहते हैं। इसमें अनेक कक्ष और एक विशाल कमल संगमरमर का बना है। इसके अतिरिक्त लाल किले के अन्दर मोती मस्जिद, नहरे बहिश्त आदि थे।

ताजमहल :- शाहजहाँ के समय की वास्तुकला में ताजमहल अद्वितीय है। इसकी कारीगरी सर्वोत्कृष्ट है। ताजमहल शाहजहाँ के द्वारा निर्माण किया गया एक उपहार है। अपने बेगम मुमताज की याद में शाहजहाँ 1631 ई. में प्रारम्भ किया था। ताजमहल आगरा के लाल किले से एक मील की दूरी पर यमुना के किनारे स्थित है। इसका निर्माण करने के लिये शाहजहाँ ने देश विदेश के कलाकारों को बुलाये थे। अकबर के सिकन्दराबाद का मकबरा का प्रभाव ताजमहल में देखने को मिलता है। ताजमहल की लम्बाई 1900 फीट तथा चौड़ाई 1000 फीट है बीच में मकबरा 22 फीट ऊँचे चबूतरे पर बना है जिसकी ऊँचाई 108 फीट है। इसके चारों किनारे पर मीनारे बनी है। शाहजहाँ ताजमहल के समान ही यमुना नदी के किनारे दूसरा काले संगमरमर का मकबरा अपने लिये बनवाना चाहता था और दोनों मकबरों को पुल के सहारे जोड़ने की योजना थी। किन्तु यह योजना पूर्ण नहीं हो सका। अतः शाहजहाँ की मृत्यु के बाद उसे भी मुमताज के कब्र के समीप ही दफना दिया गया। स्थापत्य कला की दृष्टि से ताजमहल मुगल काल की अनूठी नमूना है। ताजमहल देखने से नेत्रों को संतुष्टि तथा हृदय को आनन्द मिलता है। ताजमहल प्रेम की एक जीवन्त दृश्य है जिसे शाहजहाँ ने पेश किया है।

अन्त में अपने स्नेहिल कला के लिये शाहजहाँ मुगलकालीन इतिहास में ख्याति प्राप्त रहा है। वास्तुकला के क्षेत्र में शाहजहाँ ने कई महल, मस्जिद, गुम्बदनुमा का निर्माण कराया तथा उसमें अद्वितीय वास्तुकला का समायोजन किया।

MAY

Su	Mo	Tu	We	Th	Fr	Sa
			1	2	3	4
5	6	7	8	9	10	11
12	13	14	15	16	17	18
19	20	21	22	23	24	25
26	27	28	29	30	31	

Scanned with Cam